वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 163 | मंगलवार 10 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में भाजपा की पहली लिस्ट जारी

41 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी घोषित, 7 सांसद और एक रिटायर्ड IAS को भी उतारा मैदान में

जयपुर. कासं

राजस्थान विधानसभा चुनावों को लेकर बीजेपी ने सोमवार दोपहर पहली लिस्ट जारी कर दी। आचार संहिता लगने के थोड़ी ही देर बाद बीजेपी ने 41 विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। 7 सांसदों सहित एक रिटायर्ड कब्बर को भी मैदान में उतारा गया है। इन 41 में से 39 ऐसी सीटें हैं, जो भाजपा पिछली बार (2018 विधानसभा चुनाव) हार गई थी।राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा को सवाई माधोपुर से, सांसद (अलवर) बालकनाथ को तिजारा (अलवर) से, सांसद (अजमेर) भागीरथ चौधरी को किशनगढ़ (अजमेर), सांसद (झुंझुनूं) नरेंद्र कुमार को मंडावा (झुंझुनूं)), सांसद (राजसमंद) दीया कुमारी को विद्याधर नगर (जयपुर), सांसद (जयपुर ग्रामीण) राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को झोटवाड़ा (जयपुर), सांसद (जालोर-सिरोही) देवजी पटेल को सांचौर से मैदान में उतारा गया है। रिटायर्ड कब्बर चंद्रमोहन मीणा को बस्सी (जयपुर) से टिकट दिया गया है।

41 में से 29 सीटों पर टिकट काटे

बीजेपी ने 41 में से 29 विधानसभा सीटों पर नए प्रत्याशी उतारे हैं। गंगानगर, श्रीडूंगरगढ़, सुजानगढ़, झुंझुनूं, नवलगढ़, फतेहपुर, लक्ष्मणगढ़, दांतारामगढ़, कोटपूतली, झोटवाड़ा, विद्याधर नगर, बस्सी, तिजारा, बानसूर, नगर, वैर, हिंडौन, सपोटरा, बांदीकुई, सवाईमाधोपुर, देवली-उनियारा, किशनगढ़, केकड़ी, बायतू, सांचौर, डूंगरपुर, बागीदौरा, माण्डल और सहाड़ा सीटों पर 2018 में जो प्रत्याशी थे, उनका टिकट काटा गया है।

राजवी और राजपाल के टिकट कटे

पहली लिस्ट में राजपाल सिंह शेखावत और नरपत सिंह राजवी के नाम नहीं हैं। विद्याधर नगर (जयपुर) से विधायक नरपत सिंह राजवी की जगह सांसद दीया कुमारी और झोटवाड़ा (जयपुर) से पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत की जगह राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को टिकट दिया गया है। 2022 में हुए विधानसभा उपचुनाव में सहाड़ा (भीलवाड़ा) से लड़े रतनलाल जाट का टिकट कट गया है। इस बार

भाजपा ने दीया कुमारी को विद्याधर नगर से टिकट दिया

लादूलाल पितलिया को बीजेपी ने टिकट दिया है। उपचुनाव में पितलिया ने बागी होकर नामांकन भर दिया था लेकिन समझाने के बाद मैदान से हट गए थे। अब पितलिया को टिकट दिया गया है। हालांकि पितलिया ने साल 2018 में निर्दलीय विधानसभा चुनाव लड़ा था।

जनता के बीच थे आहरी, तभी मिली टिकट की खबर

भाजपा ने उदयपुर जिले के खेरवाड़ा विधानसभा से नानालाल आहरी पर फिर भरोसा जताया है। आहरी खेरवाड़ा से दो बार विधायक रह चुके हैं। पिछले चुनाव में कांग्रेस के दयाराम परमार से 24 हजार वोट से हार गए थे। जब उनको टिकट की सूचना मिली तब वे सेमारी में जनसंपर्क कर रहे थे। खबर मिली तो कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। माला पहनाकर आहरी का स्वागत किया। आहरी ने वहीं पर मंदिर में जाकर आशीर्वाद लिया। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के सामने बीजेपी ने सीकर के पूर्व सांसद सुभाष महरिया को उम्मीदवार बनाया है। महरिया बीजेपी से कांग्रेस में चले गए थे। हाल ही में वापस भाजपा में लौटे हैं।

कर्नल बैंसला के बेटे विजय बैंसला को भी मौका

गुर्जर आंदोलन के संयोजक रहे कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे विजय बैंसला को भाजपा ने देवली-उनियारा (टोंक) से टिकट दिया है। कर्नल बैंसला भी भाजपा के टिकट पर सवाईमाधोपुर से सांसद का चुनाव लड़े थे। हालांकि उनको कांग्रेस के नमोनारायण मीणा ने हरा दिया था।

उदयपुरवाटी से गुढ़ा के सामने फिर शुभकरण उम्मीदवार, बीजेपी ने नहीं छोड़ी सीट

उदयपुरवाटी से बीजेपी ने राजेंद्र सिंह गुढ़ा के सामने शुभकरण चौधरी को उम्मीदवार बनाया है। शुभकरण 2013 में विधायक रह चुके हैं। लाल डायरी प्रकरण और गुढ़ा के शिवसेना (शिंदे गुट) में जाने के बाद सियासी हलकों में ये कयास लग रहे थे कि बीजेपी गठबंधन में यह सीट छोड़ सकती है। पर ऐसा हुआ नहीं। सोमवार को जारी सूची में 11 ऐसी विधानसभा सीटें शामिल हैं। इनमें दांतारामगढ़ (सीकर), कोटपूतली, झुंझुनूं, सांचौर, फतेहपुर (सीकर), लक्ष्मणगढ़ (सीकर), नवलगढ़ (झुंझुनूं), लालसोट (दौसा), सपोटरा (करौली), बागीदौरा (बांसवाड़ा) और बस्सी (जयपुर) विधानसभा शामिल हैं।

प्रतापनगर में हुआ बाबा श्याम का भव्य जागरण

भजन संध्या में 4 हजार भक्त शामिल

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

प्रतापनगर। प्रतापनगर सेक्टर 26 में श्री श्याम सेवक मंडल सेक्टर 26 के तत्वावधान में बाबा खाटूश्यामजी के भजन संध्या एवं छप्पन भोग की झांकी का आयोजन हुआ सेवादार देवेंद्र गुप्ता ने बताया कि बाबा श्याम के कीर्तन में सुप्रसिद्ध मशहूर भजन गायक प्रमोद त्रिपाठी मुम्बई, राजस्थान सुप्रसिद्ध गायक श्याम

अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि वहीं मंडल संयोजको ने श्याम प्रेमियों का इत्र वर्षा और 821 किलो पुष्पों की पंखुड़ियों से वर्षा कर भजन संध्या में स्वागत किया।

सलोना कोटा , नवीन गौतम, तृप्ति लड्ढा ने भजनों की प्रस्तुति दी साथ ही सैकड़ों की संख्या में भक्तो ने बाबा को रिझाने के लिए उपस्थित रहे बाबा श्याम का गुणगान कृपा कर बाबा कीर्तन कराऊंगा.. भोला नाचे शमशानों मे...., मुझे परवाह नहीं बाबा जमाना क्या बोलेगा,कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आणो है, भगता के सागे कीर्तन मै खाटू वालों नाचरियो,आदि भजनों से किया गया इस दौरान 4 हजार से अधिक श्याम प्रेमी एवं मंडल संयोजक देवेंद्र विक्की गुप्ता, भगवानदास धाकड़, अमन जैन कोटखावदा, अभिषेक जैन, शुभम जैन, अंकित गुप्ता सहित कई गणमान्य प्रेमी उपस्थित रहे। अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि वहीं मंडल संयोजको ने श्याम प्रेमियों का इत्र वर्षा और 821 किलो पुष्पों की पंखुड़ियों से वर्षा कर भजन संध्या में स्वागत किया।

झिलाय में संगीतमय भक्तामर स्तोत्र पाठ का हुआ आयोजन

विज्ञा श्री महिला मण्डल के तत्वावधान में अनुष्ठान किया गया। गायक विमल जौंला एवं विमल सोगानी ने एक से बढ़कर एक मधुर भजनों की प्रस्तुतियां दी

निवाई। गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री माताजी संघ के आशीर्वाद से जैन समाज झिलाय द्वारा पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झिलाय में संगीतमय भक्तामर स्तोत्र पाठ का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जितेन्द्र जैन जितु ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ कमलेश मित्तल राजेन्द्र जैन एवं प्रहलाद मित्तल ने भगवान आदिनाथ जी एवं पार्श्वनाथ

जी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। इसके बाद भक्तामर पाठ का अनुष्ठान किया गया जिसमें मुख्य गायक विमल जौंला एवं विमल सोगानी सहित अनेक महिला कलाकारों ने संगीतमय भक्तामर स्तोत्र पाठ एवं भजन कीर्तन की प्रस्तुतियां दी। जिसमें ,पारस प्यारा लागे जिनेश्वर प्यारा लागे, ''ओ प्रभु जी थारो चेलो बनु में'' ''थारी चाकरी में चूक कोनी राखो म्हारा जिनवर जी'' ''भगवान मिल जाते हैं पर मां नहीं मिलती'' सहित कई भजनों की प्रस्तुतियां दी गई जिसमें श्रद्धालुओं ने जमकर भक्ति नृत्य किए गए। कार्यक्रम की शुरूआत मंगलाचरण मे संगीतमय णमोकार महामंत्र के साथ किया। कमलेश मित्तल ने बताया कि श्रद्धालुओं ने रिद्धि मंत्रों से 48 दीपकों को भक्तामर श्लोकों से मण्डप पर समर्पित किए गए। महिला मण्डल की उर्मिला छाबड़ा ने बताया कि सभी श्रद्धालुओं ने अपने मुखारविंद से भक्तामरजी का उच्चारण करते हुए सम्यग्दर्शन सम्यक ज्ञान एवं सम्यक चारित्र के दीपक समर्पित किए। प्रसन्न बोहरा ने बताया कि कार्यक्रम के तहत जैन समाज झिलाय द्वारा विमल जौंला एवं विमल सोगानी का स्वागत सत्कार किया। इस अवसर पर महावीर प्रसाद जैन राजेन्द्र जैन चन्द्र प्रकाश जैन कमलेश जैन जितेन्द्र जैन अनिल सोगानी नरेश हथौना प्रहलाद जैन उर्मिला जैन शांति बोहरा स्नेहलता मित्तल ललिता जैन शांति धाबडा.निक्की जैन शिखा जैन सहित कई लोग मौजूद थे।

जैन कॉन्फ्रेंस श्रीसंघ प्रतिनिधि सम्मेलन में राजस्थान महिला शाखा ने निभाई सक्रिय सहभागिता

प्रान्तीय महिला शाखा ने दो वर्ष के रचनात्मक कार्यों पर की चर्चा, सहयोग के लिए जताया आभार

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्री ऑल इण्डिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस राजस्थान प्रान्तीय शाखा के तत्वावधान में कामलीघाट देवगढ़ स्थित मेवाड़ भवन में दो दिवसीय राजस्थान प्रान्तीय श्रीसंघ प्रतिनिधि सम्मेलन रविवार को सम्पन्न हुआ। संस्था के प्रान्तीय अध्यक्ष निर्मल पोखरना एवं प्रान्तीय महामंत्री शांतिलाल मारू के मार्ग निर्देशन में आयोजित इस सम्मेलन में जैन कॉन्फ्रेंस राजस्थान प्रान्तीय महिला शाखा ने भी अध्यक्ष श्रीमती नीता ललित बाबेल एवं महामंत्री श्रीमती चंदा नरेन्द्र कोठारी के नेतृत्व में सक्रिय सहभागिता निभाई। सम्मेलन के दौरान ही प्रान्तीय महिला शाखा की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया। प्रान्तीय अध्यक्ष नीता बाबेल ने बताया कि श्रीसंघ प्रतिनिधि सम्मेलन की शुरूआत मंगलाचरण से हुई। ध्वजारोहण जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय महामंत्री अतुल जैन, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नेमीचंद चौपड़ा, राष्ट्रीय सह संयोजक (अनुशासन समिति) जयप्रकाश लालवानी, जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा गोखरू, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती लाड़जी मेहता, वन विभाग के अधिकारी आर के जैन, संजय बाफना, सुनील बाफना, आदि ने करके कार्यक्रम को गति प्रदान की।

श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव-2023 की तैयारियों को लेकर क्षेत्रीय समितियों के साथ हुई बैठक

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री अग्रवाल समाज समिति हर वर्ष की भांति श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव-2023 भी इस वर्ष भी 15 से 21 अक्टूबर तक धूमधाम से मनाएगी। महोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक श्री अग्रसेन कटला के सभागार में 50 क्षेत्रीय समितियों की बैठक हुई। बैठक में क्षेत्रीय समितियों के साथ महोत्सव को सफल कैसे बनाया जाए जैसे मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक के प्रारंभ में महाराजा अग्रसेन जी महाराज की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद श्री अग्रवाल समाज समिति के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश भाड़ेवाला च मुख्य संयोजक व प्रभारी उपाध्यक्ष पवन गोयल होटल सफारी वालों ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ 15 अक्टूबर को सुबह 9 बजे ध्वजारोहण व महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना से होगा। इसीदिन शाम को चांदपोल के श्री अग्रवाल सेवा सदन से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। महोत्सव के तहत 17 अक्टूबर को खेलकूद प्रतियोगिता व श्री अग्रसेन मेडिकल कैम्प का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत 19 अक्टूबर को अग्रवाल महिला सम्मेलन व समापन 21 अक्टूबर को प्रतिभा सम्मान समारोह से होगा। इस मौके पर मुख्य समन्वयक अशोक गर्ग ने क्षेत्रीय समितियों के पदाधिकारियों को महोत्सव की तैयारियों पर चर्चा करते हुए बताया कि महोत्सव को सफल बनाने के लिए कई समितियों का गठन किया गया। महोत्सव को और सफल कैसे बनाए जाए, इसके लिए क्षेत्रीय समितियों के पदाधिकारियों से सुझाव मांगे गए। इस मौके पर बैठक में समिति के उपाध्यक्ष ओम प्रकाश ईटोंवाला,संयोजक रमेश डेरेवाला व शंकरलाल सूतपुणीवाला, सुमित अग्रवाल,उप संयोजक वीर जैन व श्री अग्रवाल महिला समिति की अध्यक्ष संतोष फतेहपुरिया,महामंत्री शैफाली जैन सहित अन्य लोग मौजूद रहे। मंच संचालन कमल नानूवाला ने किया।

वेद ज्ञान

जीवन में निर्णय का महत्त्व

अक्सर लोग पिछले कर्मों के लिए पछताते रहते हैं। किसी समय किन्हीं परिस्थितियों में लिए गए निर्णय हमारा और आपका वर्तमान प्रभावित करते हैं। हर इंसान को दिनभर में छोटे-बड़े बहुत सारे निर्णय लेने होते हैं। जिनमें से कुछ निर्णयों का संबंध और असर तात्कालिक होता है, जबकि कुछ दूरगामी प्रभाव डालते हैं। ऐसे में कोई भी निर्णय लेते समय उस समय उस इंसान के पास जो भी विकल्प होते हैं उसे उनमें से अपनी समझ के हिसाब से किसी एक विकल्प को चुनना होता है। यह विकल्प चुनने के लिए वह उस समय उपलब्ध सलाह-सुझाव, परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अपनी समझ से निर्णय लेकर अगला कदम उठता है। कुछ समय पश्चात यह भी हो सकता है कि उस व्यक्ति को पहले लिया हुआ अपना ही निर्णय अनुचित लगे। ऐसा लगना स्वाभाविक है, लेकिन यहां समझने वाली बात यह है कि जरूरी नहीं कि हर इंसान के पास हर समय और हर परिस्थिति में उचित निर्णय लेने के लिए यथोचित सलाह और समझ हो ही। यदि किसी को अपना पहले लिया हुआ निर्णय गलत लगे तो उसे जानना चाहिए कि उस वक्त क्या उसके पास आज वाली सलाह और समझ थी और यदि उत्तर ना में हो तो उस निर्णय के लिए किसी प्रकार का दुख नहीं होना चाहिए। यह जरूरी तो नहीं कि हर इंसान को सबसे बेहतर सलाह उपलब्ध हो। आज तो इंटरनेट का जमाना होने के कारण दुनिया के किसी भी कोने से सलाह और सुझाव अविलंब मिल भी सकते हैं, लेकिन जरा सोचिए पुराने जमाने के बारे में। हां, यदि किसी व्यक्ति ने बेहतर समझ और सलाह को दरकिनार कर कोई निर्णय लिया हो और वह गलत भी साबित हुआ हो तो उसके पास जरूर अफसोस करने के अलावा कोई चारा नहीं है। इंसान को आज कोई भी ऐसा निर्णय नहीं लेना चाहिए जिसको लेकर उसे भविष्य में पछताना पड़े। इसलिए कोई भी निर्णय लेने से पहले उपलब्ध सभी विकल्पों पर उपलब्ध समझ और सलाह को ध्यान में रखना चाहिए। सलाह लेने में कोताही और झिझक बिल्कुल नहीं होनी चाहिए। ऐसा निर्णय आगे चलकर ठीक साबित हो तो खुशी की बात है और गलत निकल भी जाए तो उस पर कोई अफसोस नहीं होना चाहिए। ऐसा करने वाले इंसान के जीवन में चिंता जरूर कम हो जाएगी।

संपादकीय

नोबेल पुरस्कार की घोषणा एक खोज का सम्मान...

इस बार चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार की घोषणा निश्चित रूप से एक ऐसी खोज का सम्मान है, जिससे महामारियों से पार पाने और मानव शरीर में प्रतिरोधी क्षमता विकसित करने का एक नया रास्ता खुला। यह सम्मान कोरोना से लड़ने के लिए एमआरएनए टीके विकसित करने वाले काटालिन कारिको और ड्रयू वीसमैन को संयुक्त रूप से दिया जा रहा है। नोबेल सभा के अनुसार इन दोनों वैज्ञानिकों ने ''न्यूक्लियोसाइड'' आधारों को संशोधित करने से जुड़ी महत्त्वपूर्ण खोजें की है, जिनकी वजह से कोविड-19 के एमआरएनए टीके विकसित कर पाना मुमकिन हो पाया। निश्चित रूप से इन टीकों के विकास की वजह से लाखों जिंदगियां बचाई जा सकीं। कोरोना महामारी के वक्त पूरी दुनिया में लोगों की जान बचाना चुनौती बना हुआ था, इसके विषाणु से लड़ने के लिए कोई भरोसेमंद दवाई उपलब्ध नहीं थी। यह विषाणु लगातार स्वरूप बदल और अधिक घातक रूप में सामने आ रहा था। तब यह स्पष्ट हो चुका था कि मानव शरीर में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा कर ही इसके प्रभाव को बेअसर किया जा सकता है। ऐसे समय में ऐसा टीका बनाना कठिन काम माना जा रहा था, जो मानव शरीर में प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सके। मगर कारिको और वीसमैन ने एमआरएनए की खोज कर इस चुनौती को आसान बना दिया था। कोरोना महामारी के दूसरे चरण में स्थिति यह थी कि हर दिन हजारों लोग मौत के मुंह में समा रहे थे, अस्पतालों में जगह कम पड़ गई थी, कोरोना मरीजों के लिए अलग से शिविर लगाने पड़े थे। ऐसे भयावह वक्त में टीके तैयार करना और फिर उनका परीक्षण करके सभी नागरिकों तक उपलब्ध कराना और भी मुश्किल काम था। मगर दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने इस कठिन चुनौती को स्वीकार किया और कम समय में भरोसेमंद टीकों का निर्माण कर व्यापक पैमाने पर इसकी खुराक देना संभव बनाया था। इस कामयाबी के पीछे कारिको और वीसमैन की खोज ने बड़ी भूमिका निभाई थी। इन वैज्ञानिकों की ही खोज से पता चल सका था कि एमआरएनए हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली के साथ कैसे संपर्क करता और यह किस तरह शरीर में प्रोटीन का प्रवाह बढ़ा कर रोगों से लड़ने में मददगार साबित हो सकता है। हालांकि हर वैज्ञानिक खोज के पीछे कोई न कोई आधार खोज काम कर रही होती है। इस दृष्टि से कारिको और वीसमैन को निश्चित रूप से स्वीडिश वैज्ञानिक स्वांते पाबो की खोज से मदद मिली थी। पाबो ने निएंडरथाल डीएनए के रहस्यों को उजागर किया था, जिससे मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली से जुड़ी महत्त्वपूर्ण जानकारियां सामने आई थीं। पाबो को पिछले साल चिकित्सा के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। जिस तरह बदलती जीवन-शैली, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण प्रदूषण, कुपोषण आदि के चलते नए विषाणुओं के पनपने और खतरनाक रूप धारण करने के खतरे हर समय बने रहते हैं। कोविड के महामारी रूप में फैलने की बड़ी वजह भी यही थी।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

जातिगत सर्वेक्षण

सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में जाति सर्वेक्षण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है और इस पर बिहार सरकार की प्रतिक्रिया मांगी है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और एसवीएन भट्टी की पीठ ने सरकार को अब तक प्रकाशित आंकड़ों पर आगे कोई कार्रवाई करने से रोकने या सर्वेक्षण के परिणाम प्रकाशित करने के किसी भी कदम में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। एक सोच एक प्रयास बनाम भारत संघ और अन्य का यह मामला अभी पूरी तरह से शांत नहीं होने वाला। पहले भी पटना उच्च न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक जातिगत गणना को रोकने के लिए एकाधिक बार दस्तक दी गई है, पर ज्यादातर बार न्यायालय का रुख गणना के पक्ष में ही रहा है। चुनौतियों के बावजूद अदालती सहमति से गणना हो चुकी है और उसके आंकड़े भी जारी हो चुके हैं। इसके बावजूद सर्वोच्च न्यायालय में इसे चुनौती देना किसी आश्चर्य से कम नहीं है। जब अनेक राज्यों में ऐसी ही गणना या आंकड़े जारी करने की तैयारी है, और यह एक तरह से बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है। ऐसे में, न्यायालय का दरवाजा बार-बार खटखटाने के भला क्या मायने हैं? क्या यह संसाधन के साथ-साथ अदालती समय की बबार्दी नहीं है? अदालत को भी सचेत भाव से अंतिम तौर पर इस विवाद का पटाक्षेप करना चाहिए। यह चुनौती बहुत गंभीर मामला नहीं है और इसलिए मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2024 में रखी गई है। तब तक बिहार सरकार के पास पर्याप्त समय है कि वह इन आंकड़ों के सहारे अपनी कुछ अच्छी योजनाओं को आकार दे और अदालत में ज्यादा मजबूती से जवाब दे। गोपनीयता या निजता के उल्लंघन का हवाला देकर जाति गणना को रुकवाने का आधार कमजोर है। भारत में किसी की जाति के बारे में जानना बहुत आसान है। लोग अपनी-अपनी जाति का लाभ लेने से खुद को अभी अलग नहीं कर पाए हैं। अतः किसी की जाति निजता का मामला नहीं है। अनेक सरकारी कागजों में जाति का उल्लेख होता है। शायद ही कोई पार्टी होगी, जिसके पास किसी इलाके के जातिगत आंकड़े न होंगे, पर ऐसे अनधिकृत आंकड़ों पर कभी रोक नहीं रही है। अब जब आधिकारिक रूप से गणना हुई है, तब उस पर रोक की तो कोई गुंजाइश ही नहीं बनती है। विरोध का एक दूसरा पहलू भी है, जिसकी दुहाई केंद्रीय गृह मंत्रालय अपने जवाबी हलफनामे में पहले दे चुका है कि 1948 में बने जनगणना अधिनियम के तहत केवल केंद्र सरकार ही जनगणना कर सकती है, पर बिहार सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि यह जनगणना नहीं है, यह सामान्य गणना या सर्वेक्षण है। पटना उच्च न्यायालय भी मान चुका है कि यह सर्वेक्षण उचित योग्यता और न्याय के साथ विकास के वैध उद्देश्य से शुरू किया गया। आज के समय में जाति एक बड़ी सच्चाई है। उसके आधार पर अगर कोई सुविधा किसी को हासिल हो रही है, तो वह आसानी से खत्म नहीं होने वाली। अतः देश के लोग जाति और उससे संबंधित गणना को विकास व सामाजिक न्याय के नजरिये से सही मानकर चलें, इसी में सबका भला है। आधुनिक होते देश में जाति संबंधी पुख्ता आंकड़े जरूरी हैं, यह कतई कमतर मानसिकता नहीं है। सही तरीका यही है कि समावेशी विकास से जाति के प्रभाव को धीरे-धीरे खत्म किया जाए, ताकि जाति की गणना की जरूरत न रह जाए, लेकिन इस काम में अभी बहुत समय लगेगा।

साधारण व्यक्ति भी बन जाता असाधारणः गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ,गुन्सी की पावन धरा पर चातुर्मास रत गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने भव्य जीवों को संबोधन देते हुए कहा कि-संकल्प से ही व्यक्ति छोटा-बड़ा अथवा भला-बुरा बनता है। दुष्ट संकल्प उसे कामी,क्रोधी,लोभी,चोर,डाकू और हत्यारा बना सकते है,तो सत संकल्प चित्त के तल में छिपी दैवीय शक्तियों को जगाकर उसे शांत,विनम्र,उदार तथा संत पुरुष भी बना सकता है। जितने भी महापुरुष हुए है,उनकी महानता का मूल आधार उनका संकल्प ही है। सत संकल्प का सुरक्षा कवच पहनकर चलने वाला साधारण व्यक्ति भी एक दिन असाधारण बन जाता है। संकल्प वही चमत्कारी शक्ति है जो व्यक्ति में अभूतपूर्व रूपांतरण को घटित कर देती है। विज्ञातीर्थ क्षेत्र पर अग्रवाल जैन समाज के अध्यक्ष अनिल जी सुराशाही एवं विज्ञाज्योती सेवा समिति के संयोजक राकेश नेवटा,मालपुरा ने गुरुमाँ का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया तीर्थ पर चल रहे विविध आयोजन एवं आराधनाओं से यात्रीगण जुड़ रहे है। गुरुमाँ के श्री मुख से होने वाली शांतिधारा को देखने भक्तों का मेला लगा रहता है। आगामी 15-24 अक्टूबर 2023 को दस दिवसीय महार्चना एवं विश्वशांति महायज्ञ जाप्यानुष्ठान का महा आयोजन संपन्न होने जा रहा है ।जिसमें समाज एवं पुण्यार्जक परिवार द्वारा महानुष्ठान संपन्न किया जाएगा।

भारतीय जैन मिलन क्षेत्रीय युवा कार्यशाला ''हम होंगे कामयाब'' संपन्न

गुना. शाबाश इंडिया

भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 12 द्वारा जैन समाज आरोन, जैन मिलन आरोन , महिला जैन मिलन आरोन एवं युवा जैन मिलन आरोन के सहयोग से, 13 वर्ष से 28 वर्ष के युवाओं एवं उनके अभिभावकों के लिए एक कार्यशाला ''हम होंगे कामयाब'', आरोन के विद्यासागर पब्लिक स्कूल में आयोजित की गई जिसमें बड़ी संख्या में युवक एवं युवतियों ने भाग लेकर, विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अतिवीर विजय जैन गुना ने संबोधित करते हुए कहा कि छोटे-छोटे कस्बों एवं नगरों के युवा वर्ग के लिए यह कार्यशाला अत्यंत उपयोगी है, उन्होंने एक कहानी के माध्यम से बच्चों को कहा कि अपनी इच्छा शक्ति से आप अपनी मंजिल तक पहुंच सकते हैं। सिविल सेवा प्रतियोगी परीक्षाओं में कोच के रूप में महारत रखने वाले रनीश जैन गुना ने कहा कि मैं भारतीय जैन मिलन के स्लोगन ''सत्वेषु मैत्री'' से प्रभावित हूं। उन्होंने कहा कि यू पी एस सी की परीक्षा एशिया की सबसे कठिनतम हैं। यदि आपको आई ए एस, आईपीएस, बनना है तो आप गणित और अंग्रेजी से ना डरें , बस आई ए एस, आईपीएस बनने का सपना देखना शुरू करें। आप कल्पना करें कि, मैं गुना का डी एम या एस पी हूं, तब मैं क्या-क्या कर सकता हूं , बस यही भावना आपको आपके लक्ष्य तक ले जाएगी। एकल परिवार ने हमें न्यूक्लियर बम की तरह बना दिया है , समाज और परिवार के साथ मिलकर कार्य करोगे, ''तब हम होंगे कामयाब''। गुना उद्योग विभाग के सहायक जिला प्रबंधक आर के जैन ने भारत सरकार और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए युवाओं को कहा कि सभी को नौकरी मिलना संभव नहीं है , अतः आठवी पास युवक को 50 लाख तक का लोन हमारे विभाग द्वारा बिना किसी गारंटी के दिया जाता है। आरोन में उद्योग की अनेक संभावनाएं है, अतः युवा लोन लेकर अपना व्यवसाय कर, अन्य युवकों को नौकरी दे सकते हैं। अल्प संख्यक योजनाओं के जानकार विशेषज्ञ अनिल बड़कुल जी ने बच्चों को कक्षा 9 से हायर क्लास तक मिलने वाली अनेक स्कॉलरशिप, कैसे और कहां से प्राप्त की जा सकती है के संबंध में विस्तार से उपस्थित युवा एवं अभिभावकों को बताया। जैन समाज की संस्था जीटो, अनुशासनोदय एवं फास्ट इंदौर द्वारा कोचिंग के माध्यम से आई ए एस एवं आई पी एस हेतु निःशुल्क कोचिंग दी जाती है। ई डब्ल्यू एस के अंतर्गत प्रत्येक कॉलेज में 10% आरक्षण रहता हैं, इसका लाभ सभी को लेना चाहिए। डॉक्टर हरिओम सिंह, प्राचार्य विद्या भवन स्कूल गुना ने अपने उद्बोधन से सभी का दिल जीत लिया। उन्होंने कहा कि बच्चों को परीक्षा में प्रतिशत के पीछे नहीं भागना चाहिए और ना ही नौकरियों के पीछे, क्योंकि यह सभी को नहीं मिल सकती। हमें स्किल इंडिया बनाना है। हमारी शिक्षा मातृभाषा में ही होना चाहिए जिससे हमारा बौद्धिक विकास हो सके। खुद को जानें एवं अपनी निर्णय क्षमता का विकास करें।

ग्रामीण परिवेश में रहने वाले व्यक्ति में निर्णय क्षमता अधिक होती है। उन्होंने बौद्धिक विकास के 10 सूत्र देते हुए कहा कि बच्चों को सभी से मिलना, समाज में मिलकर रहना, बच्चों को दोस्तों से गपशप करनी चाहिए, जिससे व्यक्ति का तनाव कम हो सके। संस्कार को कभी मत छोड़ना। जो आप चाहते हैं वह दूसरों को दें, तब आपको वह मिलेगा। जब बच्चों ने पूछा कि हमें याद क्यों

नहीं रहता है, तब याद करने का मंत्र देते हुए कहा कि ''पहले लिखें फिर पढ़ें'' याद हो जाएगा। अभ्यास करें मेमोरी तेज होगी। ''सूरज जैसा बनना है तो सूरज जैसा जलना होगा'' आदि अनेक उपयोगी बातें उन्होंने युवाओं से कहीं। अनेकों पुस्तकों के लेखक पूर्व प्राचार्य सतीश चतुर्वेदी ''शाकुंतल'' ने युवाओं को सफलता के सूत्र देते हुए पांच डी (D) पर ध्यान केंद्रित करने को कहा : डायरेक्शन, डिसिप्लिन, डेडीकेशन, डिवोशन, डेड लाइन। हम यदि इन पांच डी पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे तो, हर काम जो आप अपने जीवन में करना चाहते हैं, कर सकते हैं। पत्थर को तराशने के लिए हमें छेनी चलानी ही होती है, उसके बिना पत्थर मूर्ति नहीं बन सकता। उसमें पूजनीयता नहीं आ सकती है। इस अवसर पर भारतीय जैन मिलन के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अतिवीर विजय कुमार जैन पत्रकार राघोगढ़ तथा युवा वीर अंकुर जैन ने भी युवा कार्यशाला को संबोधित किया। कार्यशाला प्रारंभ होने के पूर्व जैन समाज आरोन के अध्यक्ष विजय जैन डोंडिया राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय जैन गुना, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार जैन राघौगढ़ सहित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया। महावीर प्रार्थना महिला जैन मिलन आरोन एवं पाठशाला की दीदीओं द्वारा की गई। क्षेत्रीय अध्यक्ष नरेश जैन ने स्वागत उद्बोधन दिया ।जैन मिलन आरोन द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान शाल श्रीफल एवम् स्मृति चिन्ह भेंट कर किया एवम्डॉक्टर दीपक जैन का मानव सेवा कार्यों के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। क्षेत्र की ओर से सभी विशेषज्ञों को गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन एडवोकेट विनय कुमार जैन गुना, वीर संजीव जैन अध्यक्ष जैन मिलन आरोन द्वारा किया गया ।कार्यक्रम के संयोजक वीर प्रदीप गांधी गुना ,सुनील जैन झंडा क्षेत्रीय प्रवक्ता आरोन, एवं क्षेत्रीय मंत्री पी के जैन ने आभार व्यक्त किया। इस कार्यशाला के उपरांत भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 12 की कोर कमेटी की बैठक भी आयोजित की गई। जिसमें भोपाल, गंजबासौदा, अशोकनगर, राघौगढ़, गुना के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर भारतीय जैन मिलन के कार्यक्रमों की आगामी रूपरेखा पर विचार विमर्श किया ।

जीवन तो रेन बसेरा है कोई भी जीव इस संसार में अमर नहीं है: महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। जीवन तो रेन बसेरा है कोई भी जीव इस संसार में अमर नहीं है।सोमवार साहुकार पेट में महासती धर्मप्रभा ने धर्म आराधना करने वाले श्रोताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि मनुष्य का शरीर संसार मे किराऐ के मकान की तरह है न जाने कब ऊपर वालें का मौत का बुलावा आ जाए और इस काया रूपी शरीर को छोड़कर संसार से जाना पड़ जाऐ।इस सच्चाई को मनुष्य जितना शीघ्र स्वीकार लेता है और संसार की वस्तुओं का त्याग कर देता है तो उसके जीवन मे कभी भी दुःख नहीं आने वाले है क्योंकि वह जानता है कि इस संसार मे कोई भी जीव अमर नहीं है और विधाता के इस लेख को कौई भी मानव बदल नहीं पाया और नाही कौई अब बदल सकता है।मानव योनी के द्वारा ही आत्मा को संसार से मुक्ति मिल सकती है।लेकिन मनुष्य मोह और महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए इस क्षणभंगुर शरीर को भौतिक सुख देने वाला इंसान संसार सागर से अपनी आत्मा को सदगिती नहीं दिलवा पाएगा। मनुष्य कि इच्छाऐ और कामनाएं ही जीवन मे दुःख.देती है और आत्मा को संसार मे भटकाती है। मोह का दामन छोड़ने पर ही मनुष्य जीवन मे सुख प्राप्त कर सकता है। साहुकार पेट श्री एस. एस.जैन संघ के कार्याध्यक्ष महावीरचन्द सिसोदिया ने बताया धर्मसभा मे महाराष्ट्र,राजस्थान आदि क्षैत्रों के अलावा उपनगरों से पधारें अतिथियों और तपस्यार्थीयों का श्रीसंघ के मंत्री सज्जनराज सुराणा माणकचन्द खाबिया,सुरेश डूगरवाल,महावीर चन्द कोठारी, शम्भूसिंह कावड़िया, अजित कोठारी आदि सभी ने अतिथियों और तपस्वीयों का स्वागत किया।

बगवाडा में 500 वर्ष प्राचीन जैन मंदिर का हुआ वार्षिक मेला

जयपुर. शाबाश इंडिया। करीब 40 किलोमीटर दूर सीकर रोड पर दौलतपुरा के पास बगवाडा ग्राम में दिगम्बर जैन मंदिर जी अरहनाथ भगवान का करीब 500 वर्ष पुराना जैन मंदिर है उसका वार्षिक मेला बड़जात्या परिवार के लोग भराते आये हैं, उसी कड़ी में यह मेला नरेश(पप्पू) बड़जात्या के संयोजन में आयोजित हुआ। सर्वप्रथम बड़जात्या परिवार के नवयुवकों ने भगवान अरहनाथ भगवान की (मूल प्रतिमा पाशाण की), महावीर भगवान (सिलवर की), व पार्श्वनाथ (पीतल की) जिन प्रतिमाओं के अभिषेक किये व बाद में शांतिधारा की ,इसके बाद पूजन व शान्ति विधान का कार्य बड़े भक्ति भाव से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में श्रावक श्राविकाओं ने बीच-बीच में भजन व नृत्य भी किये। अन्त में श्रीजी की माल हुयी जो श्रेष्ठी विरेन्द्र कुमार,संतोष कुमार, गजेंद्र कुमार कलकत्तावालों ने बोली के माध्यम से पहनी। इसमें करीब 150 लोगों ने भाग लिया। सभी श्रद्धालुओं के लिए आने जाने के लिए निशुल्क बस व्यवस्था संयोजक की तरफ से की गई । इस मेले में बड़जात्या परिवार के वरिष्ठतम सदस्य अन्तरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त होम्योपैथ डॉ. एम.एल जैन ''मणि''-डां शान्ति जैन मणि,डां मनीष जैन,श्री अशोक जैन,विनोद जैन,नरेश,राजेश, राकेश ,महावीर, सुरेन्द्र, नीलकमल एवं परिवार की महिलाओं व बच्चों आदि ने भाग लिया। अन्त में आरती के पश्चात आयोजकों ने सभी आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया।

हम अहिंसक हैं कायर नही : आचार्य वसुनंदी महाराज

वर्षायोग समिति एन आई टी फरीदाबाद ने 35 वां संयम वर्द्धनोत्सव समारोह किया आयोजित

फरीदाबाद. शाबाश इंडिया। हम भगवान महावीर के अनुयायी हैं ''हम अहिंसक हैं कायर नहीं'' हम यदि जान ले नहीं सकते तो अपने तीर्थों की सुरक्षा व उनकी अस्मिता के लिए जान दे तो सकते हैं। हमारी उदारता को शासन प्रशासन हल्के में न ले क्योकि दुर्बल की हाय के परिणाम सुखद नही होते हैं। समय रहते चेत जाओ और हमारे हक पर अधिकार मत जमाओ,जैन धर्म के हजारों वर्ष के इतिहास को मिटाने का दुस्साहस ठीक नही है। उक्त कथन अभिक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनंदी महाराज ने मिलन वाटिका फरीदाबाद में आयोजित 35 वें संयम वर्द्धनोत्सव दिवस पर भारत सरकार को चेतावनी देते हुए जैन श्रावक श्राविकाओं से व्यक्त किये। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक हिमांशु जैन कामां वाले के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ चित्र अनावरण व दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ तो वही एन आई टी फरीदाबाद के बच्चों ने जज, शिक्षक,वकील,नेता,वृक्ष,जल आदि का रूप धारण कर गुरुवर की वाणी में उनके कर्तव्यों से अवगत कराया तो वही ग्रीन पार्क पाठशाला के द्वारा माता जिनवाणी के महत्व को नाटिका में प्रस्तुत किया जिसे उपस्थित दर्शकों द्वारा सराहा गया। वर्षायोग समिति के अध्यक्ष राहुल जैन के अनुसार कई धार्मिक पुस्तको का विमोचन हुआ तो पीछी कमण्डल पुस्तक का भी अथितियों द्वारा विमोचन किया गया।

श्री महावीर कॉलेज के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में लहराया परचम

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर कॉलेज के विद्यार्थी प्रशांत रामचंदानी, बी.कॉम द्वितीय वर्ष के छात्र को राजस्थान सरकार द्वारा प्रायोजित राजस्थान मिशन - 2030 के अन्तर्गत ज़िला स्तर पर भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर राजस्थान सरकार द्वारा प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुआ साथ ही राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटर-कॉलेज शतरंज (पुरुष) चैम्पियनशिप में श्री महावीर कॉलेज के ही देव सोनी, आयुष ममोरिया, रक्षित गौतम, माधवेंद्र सिंह, मितांश मित्तल, राघव गुप्ता ने रजत पदक जीता एवं इंटर कॉलेज टेबल टेनिस में सुजल चौधरी, आयुष ममोरिया, जसवंत सिंह, माधवेंद्र सिंह एवं लक्ष्य रावत ने रजत पदक जीतकर कॉलेज का नाम गौरवान्वित किया। संस्था के अध्यक्ष उमराव मल संघी, सचिव सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला एवं प्राचार्य डॉ आशीष गुप्ता ने इस उपलब्धि पर बधाइयाँ प्रेषित की।

जैन साधु दिगम्बर क्यों : 'अपरिग्रह व त्याग की मूर्ति है दिगम्बर मुनिराज'

एक लँगोटी का परिग्रह भी हजार दुखो का कारण बन जाता है

अपरिग्रह गैर-अधिकार की भावना, गैर लोभी या गैर लोभ की अवधारणा है, जिसमें अधिकारात्मकता से मुक्ति पाई जाती है। यह विचार मुख्य रूप से जैन धर्म तथा हिन्दू धर्म के राज योग का हिस्सा है। जैन धर्म के अनुसार अपरिग्रह जीवन के आधार हैं। अपरिग्रह अर्थात आत्मा के सिवा इस लोक में कोई भी तथा कुछ भी मेरा नहीं है, यह भाव जब सच्ची श्रद्धा के साथ होता है, तब ''उत्तम आकिंचन्य धर्म'' नाम पाता है। आचार्य उमास्वामी जी श्री तत्त्वार्थसूत्र जी में लिखते हैं, ''मूर्छा परिग्रहः'' अर्थात मोह के कारण पर पदार्थों में होने वाला ममत्व का भाव, ही परिग्रह है। और परिग्रह के प्रति राग का भाव जब छूट जाता है, तब उत्तम आकिंचन्य धर्म प्रगट होता है।कविवर ध्यानतराय जी लिखते है की- परिग्रह चौबीस भेद, त्याग करें मुनिराज जी। तिसना भाव उछेद, घटती जान घटाइए। उत्तम आकिंचन गुण जानो, परिग्रह-चिंता दुःख ही मानो। फाँस तनक-सी तन में साले, चाह लंगोटी की दुःख भाले। भाले न समता सुख कभी नर, बिना मुनि-मुद्रा धरे धनि नगन पर तन-नगन ठाढ़े, सुर-असुर पायनि परें। अर्थात ''24 प्रकार के परिग्रहों (14 अंतरंग परिग्रहः मिथ्यात्व, क्रोध, मान, माया, लोभ, हास्य, रति, अरति, शोक, भय, जुगुप्सा, पुरुष-वेद, स्त्री-वेद, नपुंसक-वेद ; 10 बहिरंग परिग्रहः क्षेत्र, वास्तु, धन, धान्य, सोना, चांदी, दास, दासी, वस्त्र, बर्तन) का त्याग मुनिराज करते हैं तथा श्रावकों को भी तृष्णा का भाव कम करते-करते इसे अधिकाधिक सीमित करना चाहिए।'' उत्तम आकिंचन्य को धारण करने का भाव आना एक गुण है। परिग्रह एवं उसके साथ होने वाली चिंता दुख का ही कारण है। जिस प्रकार, एक छोटी-सी फांस भी बहुत दुख का कारण बन जाती है; उसी प्रकार, एक लंगोटी मात्र की इच्छा भी बहुत दुखी करती है। बिना मुनि हुए जीव कभी भी पूर्ण समता और सुख को प्राप्त नहीं कर सकता। धन्य हैं वे मुनिराज जो सर्व परिग्रह का त्याग कर के दिगम्बर मुद्रा को धारण करते हैं। ऐसे मुनिराज की देव और असुर चरण वंदन करते है। किसी भी प्रकार के दुख के कारक परिग्रह को नहीं रखने वाले, लंगोट तक को दुख का कारण मानते हुए तथा पूर्ण ममत्व का त्याग करने वाले पिच्छी कमण्डल धारी दिगम्बर मुद्रा वाले मुनिराज अपरिग्रह व त्याग की चलती फिरती मिशाल समाज के सामने हैं। चातुर्मास में एक ही स्थान पर प्रवास रत सभी सन्त अपनी तप साधना के साथ धर्म की ऐसी ही शिक्षाओं की समाज में प्रभावना करते है ।

पदम जैन बिलाला
जनकपुरी, जयपुर

धन्य हैं वे मुनिराज जो सर्व परिग्रह का त्याग कर के दिगम्बर मुद्रा को धारण करते हैं। ऐसे मुनिराज की देव और असुर चरण वंदन करते है। किसी भी प्रकार के दुख के कारक परिग्रह को नहीं रखने वाले, लंगोट तक को दुख का कारण मानते हुए तथा पूर्ण ममत्व का त्याग करने वाले पिच्छी कमण्डल धारी दिगम्बर मुद्रा वाले मुनिराज अपरिग्रह व त्याग की चलती फिरती मिशाल समाज के सामने हैं।

सोनोग्राफी से गर्भ में पल रहे बच्चे में पता चला गंभीर रोग

जन्म के तुरंत बाद सफल ऑपरेशन

कोटा. शाबाश इंडिया

झालावाड़ निवासी एक परिवार के गर्भावस्था में हुई सोनोग्राफी में पता चला की भोजन थैली के आगे छोटी आँत में रुकावट है। उनको झालावाड़ में चिकित्सक ने सलाह दी की ऐसे अस्पताल में डिलीवरी कराये जहां नवजात की तुरंत ऑपरेशन की सुविधा हो। दंपत्ति ने कोटा में वल्लभ बाड़ी स्थित मेहता नर्सिंग होम में डा सपना मेहता से परामर्श लिया। डा सपना ने जाँच में बच्चे के ड्यूडोनल एट्रेसिया नामक गंभीर रोग व साथ ही गर्भ थैली में अधिक पानी होना बताया। फीटल डिस्ट्रेस के कारण तुरंत सीजेरियन ऑपरेशन से डिलीवरी करवाई व दो किलो की बालिका ने जन्म लिया। बच्ची को तुरंत नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई में रखा व वरिष्ठ शिशु शल्य चिकित्सक डा समीर मेहता ने एक्सरे में डबल बबल देख तुरंत ऑपरेशन की सलाह दी। जन्म के दो घंटे बाद ही डॉक्टर समीर ने सफल ऑपरेशन कर बिटिया को जीवन दान दिया। ऑपरेशन में दो घंटे का समय लगा। डॉक्टर मेहता ने बताया की समय पर ऑपरेशन व पोस्टॉप अच्छी नर्सिंग केयर से ही दो किलो की आई यू जी आर बिटिया को जीवन दान मिला। ड्यूडोनल एट्रेसिया दस हजार में से एक गर्भ में होता है व सोनोग्राफी से गर्भावस्था में ही रोग का निदान हो सकता है व डिलीवरी के तुरंत बाद ऑपरेशन सुविधा होने के कारण सफलता मिलने की संभावना अधिक होती है।

डा समीर मेहता: पूर्व अध्यक्ष जे एस जी कोटा

रामायण पूजन पर निकली शोभा यात्रा

विराट नगर. शाबाश इंडिया

श्री अवधेश कला केंद्र, रामलीला मंडल के तत्वावधान में 10 अक्टूबर से आयोजित होने वाली 16 दिवसीय रामलीला मंचन हेतु सोमवार को कस्बे में बाजे गाजे के साथ श्री रामायण मैया की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। जो बस स्टैंड से रामलीला मैदान तक पहुंची, जहां ध्वज स्थापना कर आरती का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इससे पूर्व बस स्टैंड पर स्थित हनुमान बगीची में पंडित गोपाल शुक्ला के आचार्यत्व तथा भाजपा नेता महेंद्र शर्मा के यजमानत्व में श्री रामायण मैया तथा ध्वज की विधि विधान से पूजा की गई। इसी प्रकार रामलीला मंचन में अभिनय करने वाले राम लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न सीता मैया व हनुमान जी के पात्रों का पूजा-अर्चना भी की गई। शोभा यात्रा में मंडल के सदस्य, गणमान्य नागरिक, एवं काफी संख्या में महिलाएं मौजूद थी। इस दौरान मंडल अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा ने सभी आगंतुक महानुभावों का आभार व्यक्त किया।

वार्षिक मेले के आयोजन के संबंध में मीटिंग की

28 व 29 अक्टूबर को होगा मेले का आयोजन

राजेश अरिहंत.शाबाश इंडिया

साखना, टोंक। श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र साखना में वार्षिक मेले के आयोजन के संबंध में प्रबंधकारिणी समिति, स्थानीय समाज एवं पधारे हुए अतिथियों के बीच मीटिंग का आयोजन हुआ। मीडिया प्रभारी राजेश अरिहंत ने बताया कि सर्वप्रथम भगवान शांतिनाथ के श्री चरणों में श्रीफल चढ़कर आशीर्वाद लिया गया तत्पश्चात मीटिंग की कार्यवाही शुरू की गई प्यारचंद जैन छान, महावीर प्रसाद देवड़ावास, पदम चंद आलियारी, अशोक छाबड़ा टोंक, महावीर प्रसाद निमोला ने मीटिंग की अध्यक्षता की अतिशय क्षेत्र के मंत्री प्यारचंद जैन ने बताया कि उपस्थित समाज जनों ने 28 व 29 अक्टूबर को आयोजित मेले के संबंध में चर्चा की जिसमें 28 अक्टूबर को शांति विधान एवं सायंकाल 48 दीपक से भक्तामर जी का पाठ, भजन संध्या एवं जागरण का आयोजन होगा।। 29 अक्टूबर को प्रातः भगवान का अभिषेक, वृहद शांतिधारा दोपहर में ध्वजारोहण, श्री जी की विशाल रथ यात्रा एवं सांयकाल कलशाभिषेक व सम्मान समारोह का आयोजन होगा यह भी तय किया गया कि किसी भी कार्यक्रम के लिए बोलियां नहीं लगाई जाएगी। अतिशय क्षेत्र के कोषाध्यक्ष मनीष बज ने बताया कि मीटिंग में शिखर चंद, महावीर प्रसाद, पारस कुमार, ललित कुमार, प्रकाश चंद, नरेंद्र, अनिल, भंवरलाल, बाबूलाल, राजकुमार, राजेंद्र आशीष तेजमल, सुरेंद्र, प्रकाश, निर्मल, ,सुनील, दिनेश, राजेंद्र, बाबू सेठी सहित भरनी, धुआँ, छान, टोंक, साखना, बंथली, टोडा, नगरफोर्ट, नैनवा, निवाई, देवली, पीपलू, जयपुर आदि स्थानों से समाज जन पधारे अतिथियों के लिए वात्सल्य भोज का आयोजन अतिशय क्षेत्र के मंत्री प्यारचंद जैन के द्वारा किया गया सायंकाल भगवान शांतिनाथ की 21 दीपक से महाआरती कर भगवान से आशीर्वाद लिया

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा...

यदि जैनी रात्रि भोजन नही करता है तो महावीर स्वामी के ऊपर सबसे बड़ा योगदान है क्योंकि वो महावीर स्वामी को शब्दों में नही आचरण में जीवित रख रहा है

आगरा. शाबाश इंडिया

मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सागर सभागार में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का आयोजन चल रहा है। संगोष्ठी के तीसरे दिन 9 अक्टूबर का शुभारंभ चित्र अनावरण दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। सौभाग्य शाली परिवारों द्वारा मुनिश्री का पाद प्रक्षालन एवं शस्त्र भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान श्री दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति ने सभी विद्वानों का माला एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति सृष्टि अपने वैभव को किसी को देती नही लेकिन सारा जगत उनके वैभव से उपकृत होता है और उससे वह सब कुछ लेता है जो लेने योग्य होता है। ऐसे महान पुरुष जब प्रकृति प्रदत्त और प्रकृति रूप में ढल जाते है तो वह देने का भाव छोड़ देते है फिर उनसे हमे लेना पड़ता है। अब लेने वाले कि योग्यता है कि वह महान व्यक्ति से कितना ले पाया। क्योकि महान व्यक्ति कुछ देता नही है लेकिन महान व्यक्ति के वैभव पर ताला भी नही होता। वो देते नही है लेकिन किसी को रोकते भी नही है। जो सृष्टि पर रहने वाले भक्त होते है, भगवान नही बोलते हुए भी भक्त उनसे बुलवा लेते है। भगवान कहते हैं हमने बोला नहीं है और भक्त कहते है इस समवशरण में आपके अलावा कोई बोला नही है। निमित्त इतनी बड़ी योग्यता होती है कि उपदान कुछ भी दे न पाये तो भी निमित्त उससे ले लेता है। निमित्त शक्ति जब जाग जाती है तो व्यक्ति इतने वैभव को प्राप्त कर सकता है कि आज 2500 साल भगवान महावीर को इस दुनिया से गए हुए हो गए लेकिन आज तक हम उन्ही पर खोज कर रहे है। उनकी वाणी को खोज रहे है उनके तत्व को खोज रहे है। हम महावीर स्वामी ने जो खोजा वो नही खोज रहे है, हम महावीर स्वामी को खोज रहे है। विज्ञान वह है जो खोजता है, वह अधूरा है, सदा अधूरा रहेगा। धर्म वह है जो सबकुछ खोज चुका है, उसका उपयोग करना है, यह हमें सोचना है और उस लाभ के लिए आज 2500 साल से लोग महावीर को खोज रहे है। महावीर ने जो खोजा था वह हमें नही खोजना वह तो हमारी

वसीयत है लेकिन महावीर को खोजना वह हमारी खोज 2500 साल से चल रही है। किस किस रूप में दिख रहे है महावीर, क्या क्या खोजा उन्होंने, क्या क्या जाना, जिस वस्तु को उठाते है तो लगता है भगवान के सर्वज्ञ ज्ञान में इस वस्तु का स्वरूप ऐसा है। हर क्रिया में, हर सोच में उनकी उपस्थिति नजर आती है इसलिए जो महान साधु बन जाते है वे अपना सबकुछ खत्म कर देते है बस वे तो यही देखते रहते है कि आगम कहा है। हमे हर वस्तु पर यही टाइटल देना है ये महावीर स्वामी ने खोजा था। जो महावीर स्वामी ने खोजा था उसको महावीर स्वामी के नाम से खोजने का नाम ही सम्यकदर्शन है। सृष्टि के एक कण कण में, एक एक परिणीति में जब सर्वज्ञ दिखने लगे जाए, भगवान महावीर दिखने लगे जाए समझ लेना आप तत्व के ज्ञाता हो। तत्व के ज्ञाता नही हो गए तुम महावीर के ज्ञाता हो गए और जो महावीर का ज्ञाता हो जाता है उसे ही तत्व का ज्ञाता कहते है। तुम देव-शास्त्र,गुरु को अच्छी तरह जानो, अच्छी तरह पहचानो, बस देव को समझ लेना ही तत्व को समझना है।वस्तुतः भगवान महावीर स्वामी को जीवित रखा है तो इन श्रावकों की पूजा पाठ ने जीवित रखा है, क्योंकि शास्त्र पढने के लिए बुद्धि चाहिए, योग्यता चाहिए। हुनर चाहिए अर्थ निकालने के लिए क्योंकि हर व्यक्ति अर्थ नही निकाल सकता लेकिन भगवान को उच्चासन पर बिठालकर पूजा करने के लिए कोई ज्यादा योग्यता नही चाहिए। आज मंदिरों ने और मंदिरों में पूजा करने वालों ने महावीर स्वामी को जीवित रखा। आज गर्व से कोई कहता है कि ये जैनी है क्योंकि ये महावीर स्वामी का भक्त है। आज की सबसे बड़ी उपलब्धि है कि 2500 वर्ष के बाद भी महावीर स्वामी का भोजन प्रत्येक विश्व की थाली में है क्योंकि जैन भोजन कैसा था। अब थाली में महावीर स्वामी है, हमारी और आपकी खोज नही है ये। जहाँ मांसाहारी है वहाँ भी जैन भोजन क्योंकि जैनियों का भोजन किसी दूसरे से मैच करता ही नही है तो जैन भोजन की उपलब्धि जो 2500 वर्ष तक हमने जीवित रखी है वह भगवान महावीर स्वामी की भावनाओ का सबसे बड़ा योगदान हमारे जैन श्रावकों का है। यदि जैनी रात्रिभोजन नही करता है तो महावीर स्वामी के ऊपर सबसे बड़ा योगदान है, वो महावीर स्वामी का सबसे बड़ा भक्त है, वो महावीर स्वामी को शब्दों में जीवित नही रख रहा है लेकिन आचरण में जीवित रख रहा है। हम महावीर स्वामी के भक्त है रात में नही खायेंगे, यह भगवान महावीर स्वामी के प्रति सच्ची भक्ति है। हम भली महावीर बन पाए ये न बन पाए लेकिन महावीर को जीवित रखेंगे, हम पानी छानकर पी रहे है तो भगवान महावीर स्वामी को जीवित कर रहे है। धर्मसभा का संचालन मनोज बाकलीवाल द्वारा किया गयो इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएनसी,नीरज जैन जिनवाणी,हीरालाल बैनाड़ा, मनोज जैन बाकलीवाल,पन्नालाल बैनाड़ा,निर्मल मोठया राजेश जैन सेठी,अमित जैन बॉबी,यतीन्द्र जैन, अनिल जैन,नरेश जैन,मीडिया प्रभारी शुभम जैन,राहुल जैन,पंकज जैन, राहुल जैन पश्चिमपुरी,शैलेंद्र जैन दीपक जैन,अंकेश जैन,सचिन जैन,राजेश जैन, विशाल जैन समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रिपोर्ट मीडिया प्रभारी शुभम जैन

महारानी महाविद्यालय में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्वविद्यालय महारानी महाविद्यालय ने दिनांक 09 अक्टूबर 2023 को सावित्री भारतीय हॉल में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा रही। प्राचार्या प्रो. निमाली सिंह ने मुख्य अतिथि को साफा एवं शॉल पहनाकर सम्मानित किया। प्राचार्या ने मुख्य वक्ता डॉ. शिव गौतम को पौधा व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। प्राचार्या प्रो. निमाली सिंह ने अपने स्वागत भाषण में छात्राओं को

बताया कि भारत दुनिया का छठा अवसादग्रस्त देश है इसलिए दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना समय की मांग है। अपने संबोधन में कुलपति महोदया ने प्रसिद्ध कहावत हेल्थ इज वेल्थ को उद्धृत किया और छात्राओं को प्रकृति से जुड़ने और स्वस्थ शैली का पालन करने और समग्र विकास के बारे में सतर्क रहने का सुझाव दिया। मुख्य वक्ता डॉ. शिव गौतम ने किशोरों के संघर्ष, करियर विकल्प, परीक्षा भय, विभिन्न प्रकार के विकार, चिंता का दुष्चक्र, तनाव के संकेत और सोशल मीडिया के सकारात्मक व नकारात्मक प्रभावों पर विचार रखें। उन्होंने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य जीवन को मूल्य व खुशी देता है। कार्यक्रम पैनलिस्ट के रूप में डॉ. वंदना, प्रो. रश्मि जैन, डॉ. सुशील शर्मा, डॉ. गौरव राजेन्द्र और प्रो. सुशीला पारीक ने विभिन्न विषयों पर अपने-अपने विचार रखें। कार्यक्रम में उप प्राचार्या प्रो. संगीता भार्गव, प्रो. गरिमा सक्सैना, डॉ. सरिता कुमारी और अन्य शिक्षकों ने अपनी उपस्थित दी। कार्यक्रम के आयोजक के रूप में मनोविज्ञान विभाग की प्रो. प्रेरणा पुरी और डॉ. ज्योति ने भूमिका निभाई।

उपाध्याय मुनी श्री ऊर्जयन्त सागर को श्रीफल भेंट कर ऋषभदेव आगमन का दिया आमंत्रण

जयपुर. शाबाश इंडिया

ऋषभदेव दिगंबर जैन भट्टारक यश कीर्ति गुरुकुल ट्रस्ट के महामंत्री सुंदरलाल भाणावत, संयुक्त व्यापार महासंघ खेरवाड़ा के संरक्षक पारस जैन व दिगंबर जैन समाज के वरिष्ठ सदस्य विमल कोठारी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने उपाध्याय मुनी श्री उर्जयन्त सागर महाराज को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद लिया तथा उन्हें ऋषभदेव में आगामी 11 फरवरी से 15 फरवरी तक गुरुकुल स्थित दिगंबर जैन आदिनाथ भगवान मंदिर के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में आगमन हेतु आमंत्रण प्रदान किया। ए.वी.एस फाउंडेशन के ट्रस्टी शैलेन्द्र जैन ने बताया कि इस अवसर पर मुनि श्री उर्जयन्त सागर ने कहा कि संत समाज को धर्म व भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। ईश्वर व संत के माध्यम से ही मनुष्य अपने जीवन का कल्याण कर सकता है। मुनि श्री ने इस अवसर पर प्रदेश व देश में शांति व सौहार्द का वातावरण बना रहे तथा राष्ट्र व प्रदेश प्रगति के पथ पर अग्रसर हो ऐसी शुभकामनाएं व आशीर्वाद प्रदान किया।

आगरा में श्रावक संस्कार शिविर महेंद्र कुमार छाबड़ा को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ

आगरा. शाबाश इंडिया। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के सानिध्य में आगरा में श्रावक संस्कार शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें करीब 3200 शिविरार्थियों ने सहभागिता की। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन के सचिव महेंद्र कुमार छाबड़ा ने इस अवसर पर शांति सागर ग्रुप जिसमें 600 शिविरार्थी थे उनके मध्य द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

व्यापारिक सम्मेलन व शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

अमित गोधा.शाबाश इंडिया

ब्यावर । व्यापार संघ के तत्वावधान में आज अजमेर रोड स्थित अमर कुंज गार्डन में व्यापारिक चर्चा व्यापारिक सम्मेलन एवं भव्य शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन धूमधाम और परंपरागत तरीके से संपन्न हुआ । संघ अध्यक्ष संजय घीया ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम शुरू होने से पूर्व बड़ी संख्या में व्यापारिक गण ढोल नगाड़ों के साथ अपने-अपने वार्डों से अपने-अपने क्षेत्र से अपने अपने कार्य स्थल से नाचते गाते कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे ।कार्यक्रम स्थल पर व्यापार संघ के अध्यक्ष संजय घीया के नेतृत्व में ब्यावर व्यापार संघ के मंत्रिमंडल ने व्यापारियों का बैंड की धुन पर साफा व माला पहनकर वह अल्पाहार के साथ स्वागत किया । 6:30 बजे कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना दीप प्रज्वलित के साथ हुई ।उसके पश्चात अध्यक्ष द्वारा व्यापारियों का औपचारिक स्वागत किया गया। तत्पश्चात व्यापारियों ने परिचर्चा कार्यक्रम शुरू किया जहां बड़ी संख्या

में व्यापारियों ने अपनी व्यावसायिक समस्याओं को व्यापार संघ के सामने रखा। समस्याओं पर ब्यावर व्यापार संघ ने तुरंत समाधान का आश्वासन दिया। राज्य भर में इस तरह के पहले आयोजित कार्यक्रम में समस्त ब्यावर जिले से व्यापारियों ने भाग लिया रायपुर से व्यापारी 11 गाड़ियों में सवार होकर आए तिरुपति बालाजी मुंबई जयपुर अजमेर पर जैतारण विजयनगर मसूदा अजमेर पिसागंज खरवा इत्यादि स्थानों से भी व्यापारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया महा सम्मेलन में करीबन 1100 व्यापारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई जो कि अपने आप में एक रिकॉर्ड है कार्यक्रम को ब्यावर व्यापार संघ के अध्यक्ष संजय घीया संयोजक गजराज आचार्य प्रदीप बोहरा नवल सोमानी राजेश गिदवानी कपिल भारती कमल आचार्य विजय लोंगानी जेनिश भारती प्रकाश कुंदनानी शंकर प्रजापति शैलेंद्र कुमावत सहित अन्य व्यापारियों ने संबोधित किया संघ के मंत्रिमंडल को व्यापारियों ने साफा व माला पहनाकर व आतिशबाती के साथ शपथ ग्रहण करवाई व्यापारियों ने अध्यक्ष संजय भैया को 51 किलो माल से स्वागत किया संघ के पदाधिकारी ने कर्तव्य निष्ठ व कानून की पालना करते हुए शपथ ग्रहण करी इस अवसर पर बड़ी संख्या में व्यापारिकन तथा सरकारी अधिकारी गण ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत सभापति नरेश कनोजिया मुख्य खाद्य अधिकारी नंदन जी शर्मा नापतोल अधिकारी सहित उपभोक्ता भंडार सहित अन्य व्यापारिकन व बड़ी संख्या में गणमानिया नगरीकरण उपस्थित थे।संघ के अध्यक्ष संजय घीया ने आये हुए सभी व्यापारिक गणो का आभार व्यक्त किया।

वर्द्धमान कॉलेज में पर्यावरण संरक्षण पर सेमिनार का आयोजन

अमित गोधा.शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय एवं श्री भंवरलाल गोठी पब्लिक सी. सै. स्कूल, ब्यावर के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण सेमीनार का आयोजन किया गया पदमश्री पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. शरद पांडुरंग काले ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई । समिति मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख ने सभी अतिथियों एवं आगन्तुक महानुभावों का अभिनन्दन करते हुए डॉ. शरद काले का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया तथा उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षाविदों को डॉ. काले का जीवन परिचय देते हुए बताया कि भाभा अनुसंधान केन्द्र में प्रशिक्षण लेते हुए वैज्ञानिक अधिकारी पद को सुशोभित करते हुए कृषि, समुंद्री पर्यावरण, अति सूक्ष्म कणों के निर्माण एवं जैविक ठोस अपशिष्ट के पुर्नचक्रण पर उनके शोध कार्य किया और उन्होनें लगभग 40 वर्षों तक देश को अपनी वैज्ञानिक सेवाओं से लाभान्वित किया। वैज्ञानिक डॉ. शरद काले नें अपने उद्बोधन में बताया कि अनियोजित शहरीकरण व बदलती जीवन शैली के परिणामस्वरूप भारत में बढ़ते हुए अपशिष्ट/कचरे की मात्रा में वृद्धि हुई है । भारत में अनुपयुक्त अपशिष्ट प्रबंधन के पर्यावरण और स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ते है । भारतीय शहरों में अपशिष्ट प्रबन्ध की भविष्य की चुनौतियों का समाधान करने हेतु एक दीर्घकालीन रणनीति तैयार करने की आवश्यकता है । उन्होनें अच्छी गुणवत्ता वाले प्लास्टिक का उपयोग व पुनः उपयोग में लाने पर जोर दिया । डॉ. काले ने कहा कि वर्तमान में प्लास्टिक का पुनः उपयोग कर देश में खिलाड़ियों के लिए पदक, जूते, सहित अन्य कई सामानों का निर्माण किया जा रहा है और प्लास्टिक के सदुपयोग के लिए चार आर - रिफ्यूज, रिड्यूस, रीयूज, व रिसायकल पर ध्यान देने हेतु प्रोत्साहित किया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा "मन स्वस्थ तो तन स्वस्थ"

परिचर्चा का आयोजन मंगलवार, 10 अक्टूबर को प्रात 12बजे से। वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे पर राजस्थान रीजन के तत्वावधान में होगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा निशुल्क मेंटल हेल्थ अवेयरनेस कैंप का आयोजन साइकोलॉजिकल काउंसलिंग सेंटर मालवीय नगर जयपुर पर डॉ अनामिका पापड़ीवाल काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट एवं साइकोथैरेपिस्ट द्वारा किया जा रहा है। ग्रुप अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका व सचिव अनिल निशा संघी ने बताया कि प्रमुख समाज सेवी ज्ञानचंद झांझरी समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। शिविर का समय 10 अक्टूबर 2023 को दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक रखा गया है। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या व महा सचिव निर्मल संघी ने बताया कि इसमें आप अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाली समस्याओं, डिप्रेशन, चिंता, तनाव, नेगेटिविटी, ओवरथिंकिंग, नींद की समस्या, OCD, ADHD, PTSD, एडिक्शन जैसी मानसिक समस्याओं के अतिरिक्त परिवार, व्यवहारिक, वैवाहिक, वैवाहिक पूर्व, सीनियर सिटीजंस, विद्यार्थी और कार्य क्षेत्र से संबंधित समस्याओं के लिए भी परामर्श प्राप्त कर सकते हैं और बिना किसी दवा के केवल परामर्श द्वारा समाधान कैसे प्राप्त किया जा सकता है यह डॉक्टर अनामिका पापड़ीवाल से जान सकते हैं।

"कारवां"-आर्ट एंड क्राफ्ट शो के फोल्डर व पोस्टर का विमोचन

"कारवां" की विभिन्न कलाओं की अनूठी प्रदर्शनी 13 से 15 अक्टूबर तक जवाहर कला केंद्र में

जयपुर. शाबाश इंडिया। "कारवां" -आर्ट एंड क्राफ्ट शो के फोल्डर व पोस्टर का विमोचन राजस्थान राज्य के पी. एच. ई. डी. मंत्री डॉ महेश जोशी ने अपने निवास स्थान पर किया। इस मौके पर विजिटर पंजिका पुस्तिका में हस्ताक्षर देते हुए शुभकामनाएं दी। कारवां के को-ऑर्डिनेटर एवं प्रमोटर प्रदीप कुमार छाबड़ा एवं चावल पर सूक्ष्म लेखन कलाकार निरु छाबड़ा ने बताया कि "कारवां" की विभिन्न कलाओं की अनूठी प्रदर्शनी 13 अक्टूबर 2023 से 15 अक्टूबर 2023 जवाहर कला केंद्र में आयोजित की जा रही है। इस प्रदर्शनी के लिए कलाकार कलाकृतियां बना रहे हैं मास्टर आर्टिस्ट अपनी श्रेष्ठ कला वह कलाकृतियां दिखाने का प्रयास करेंगे। इसमें राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित कृतियां भी होगी। प्रदर्शनी में शीशम की लकड़ी पर तारकशी, चंदन की लकड़ी से बनी कृतियां, मिनिएचर पेंटिंग, ब्लू पॉटरी जयपुर, जेमस्टोन मूर्तियां, मीनाकारी, जेमस्टोन पेंटिंग, मूर्ति कला, चावल पर सूक्ष्म लेखन, मोजाइक कला का प्रदर्शन होगा। कारवां के को-ऑर्डिनेटर एवं प्रमोटर प्रदीप कुमार छाबड़ा ने बताया कि विभिन्न कलाओं की प्रदर्शनी में राज्य के शिल्पगुरु, राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय पुरस्कार व अन्य उत्कृष्ट कलाकारों की कलाकृतियां देखने को मिलेगी। इस प्रकार की प्रदर्शनी का आयोजन कलाकार प्रदेश में अपने स्तर पर कर रहे हैं और प्रदर्शनी में 11 कलाओं की कलाकृतियां होगी और सभी कलाकार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला को प्रदर्शित कर चुके हैं।

चरण स्पर्श कब, क्यों और कैसे: राहुल कपूर जैन

जैसवाल जैन प्रतिभा सम्मान में बच्चों का हुआ बहुमान

अंबाह. शाबाश इंडिया। हमें संतो, महापुरुषों, बुजुर्गों एवम माता पिता के चरण स्पर्श अति आवश्यक रूप से करना चाहिए ।चरण स्पर्श करते समय दाहिने हाथ से सामने वाले के दाहिने पैर के अंगूठे को स्पर्श करना चाहिए और जब तक सामने वाला आपको आशीर्वाद न दे दे तब तक हटना नहीं चाहिए । मनुष्य के दाहिने हाथ व पैर से सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित होती है । स्वर्ग और कहीं नहीं हैं, असली स्वर्ग तो माता पिता के चरणों में ही है । हमें उनका उपकार कभी भूलना नहीं चाहिए । उक्त उद्बोधन विश्व प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर राहुल कपूर जैन ने न्यास परिवार द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान एवम क्षमावाणी महोत्सव पर सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम दिल्ली में बच्चों व उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए व्यक्त किए । कार्यक्रम के प्रमुख कमलेश जैन सीए, राष्ट्रीय संयोजक रविंद्र जैन जमूसर भोपाल, सुदीप जैन मिडेला,रूपेश जैन दिल्ली, सुरेश जैन दिल्ली द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार अखिल भारतीय श्री दिगंबर जैसवाल जैन उपरोचिया सेवा न्यास द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में 400 से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया । सभी बच्चों को एक विशेष परिधान में मंच पर बुलाया गया और उन्हें स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र, बैग, चांदी का पदक, पैन सहित अन्य सामग्री देकर समाज के श्रेष्ठिवर्ग द्वारा सम्मानित किया गया । श्रेष्ठ 10 स्वर्णिम प्रतिभाओं में से तीन प्रतिभाओं शुभम देवेंद्र जैन शिवपुरी, डॉ.आयुष सुनील जैन अजमेर, हितांशी मनीष जैन मुनीरिका दिल्ली को लैपटॉप व स्वर्ण पदक एवम अन्य 7 प्रतिभाओं को स्वर्ण पदक प्रदानकर न्यास के अध्यक्ष प्रदीप जैन पी एन सी, महामंत्री सीए कमलेश जैन, आगरा के पूर्व महापौर नवीन जैन, पवन जैन बिड़ला अजमेर, आलोक जैन बैंगलोर ने सम्मानित किया।